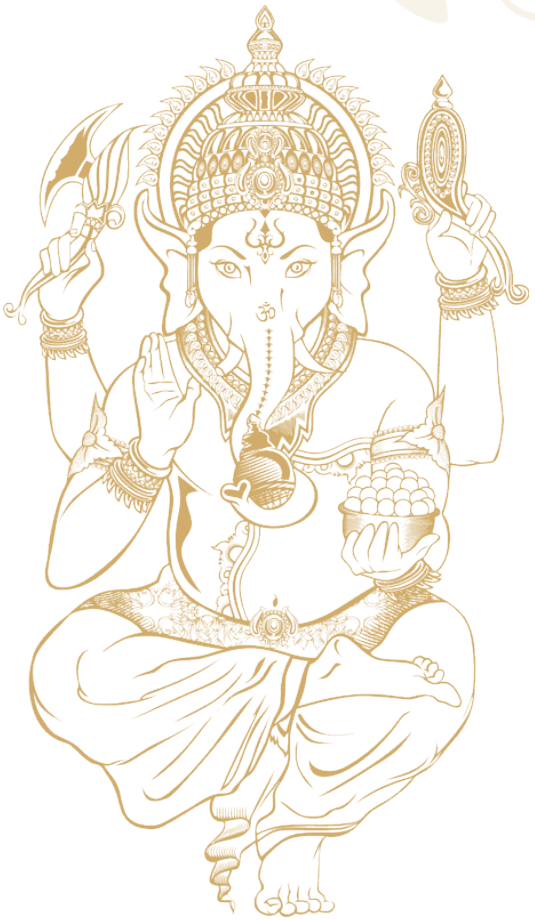

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120516604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/07/1995	जन्म तिथि	6-07/03/1997
शनि-रविवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 03:22:00	जन्म समय	06:39:00 घंटे
घटी 54:50:36	जन्म समय(घटी)	59:56:13 घटी
India	देश	India
Noida	स्थान	Delhi
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:25:45	सूर्योदय	06:41:22
19:22:04	सूर्यास्त	18:23:54
23:47:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:04

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 1वर्ष 1मा 29दि		15:27:25	वृष	लग्न	कुंभ	20:57:06	मंगल 6वर्ष 5मा 19दि	
सूर्य		15:47:40	मिथु	सूर्य	कुंभ	22:41:16	गुरु	
31/08/2023		29:05:10	कर्क	चंद्र	मक	24:20:35	25/08/2021	
31/08/2029		25:04:20	सिंह	मंगल व	कन्या	06:48:33	25/08/2037	
सूर्य	19/12/2023	24:07:26	वृष	बुध	कुंभ	18:33:24	गुरु	14/10/2023
चन्द्र	18/06/2024	13:13:42	वृश्चि व	गुरु	मक	16:17:11	शनि	26/04/2026
मंगल	24/10/2024	02:05:19	मिथु	शुक्र	कुंभ	16:01:22	बुध	01/08/2028
राहु	18/09/2025	00:56:20	मीन	शनि	मीन	13:28:41	केतु	08/07/2029
गुरु	07/07/2026	09:11:45	तुला व	राहु व	कन्या	04:54:59	शुक्र	08/03/2032
शनि	19/06/2027	09:11:45	मेष व	केतु व	मीन	04:54:59	सूर्य	25/12/2032
बुध	24/04/2028	05:28:18	मक व	हर्ष	मक	13:05:56	चन्द्र	26/04/2034
केतु	30/08/2028	00:46:24	मक व	नेप	मक	05:18:42	मंगल	02/04/2035
शुक्र	31/08/2029	04:23:32	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:47:03	राहु	25/08/2037

लग्न-चलित

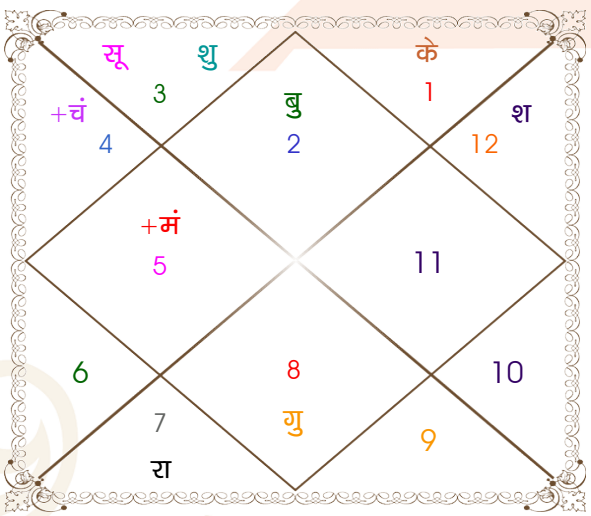

लग्न-चलित

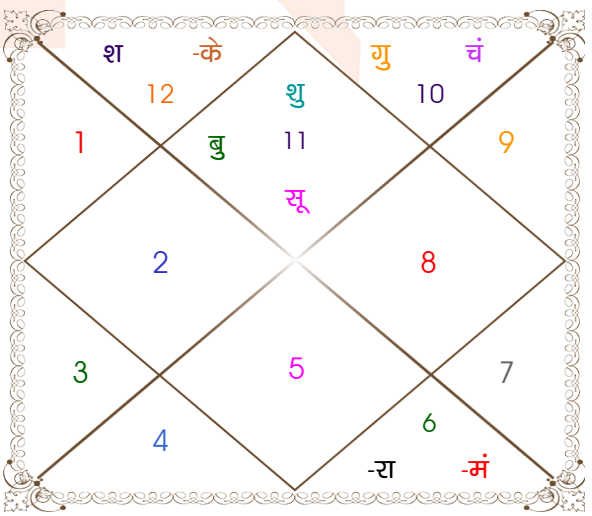

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।